ईईएसएल ने बाज़ार में उतारा 41,300 रु.में भारत का पहला सुपर एनर्जी एफिशिएंट एसी (AC)

- *यह 1.5 टन के इनवर्टर स्प्लिट सुपर एफिशिएंट (महा दक्ष) एसी बाजार में उपलब्ध बीईई 5 स्टार एसी से 20 प्रतिशत और बीईई 3 स्टार एसी से 50 प्रतिशत अधिक ऊर्जा दक्ष हैं*
- *पहले चरण में, ईईएसएल के विशेष ऑनलाइन पोर्टल ईईएसएलमार्ट.इन (eeslmart.in) के माध्यम से बीएसईएस राजधानी पॉवर लिमिटेड (बीआरपीएल), बीएसईएस यमुना पॉवर लिमिटेड (बीवाईपीएल) और टाटा पॉवर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टाटा पॉवर- डीडीएल) के ग्राहकों के लिए 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर 50,000 एसी उपलब्ध करवाए जाएंगे*

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 2019: भारत सरकार के विद्युत् मंत्रालय के अंतर्गत चार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साझा उद्यम एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज़ लिमिटेड (ईईएसएल) ने आज दिल्ली के उपभोक्ताओं के लिए अपनी तरह के पहले सुपर एफिशिएंट एयर कंडिशनर (AC) की बिक्री शुरू करने की घोषणा की। **वोल्टास** कंपनी द्वारा निर्मित यह 1.5 टन के इनवर्टर स्प्लिट सुपर एफिशिएंट एसी जीएसटी सहित **41,300 रुपये** के आकर्षक मूल्य पर उपलब्ध होंगे। यह मूल्य बाजार में इस समय उपलब्ध बीईई 5 स्टार रेटिंग वाले एसी के खुदरा मूल्य के मुकाबले 30 प्रतिशत कम है और बीईई 3 स्टार एसी के तुल्य है।

यह एसी ईईएसएलमार्ट.इन (*eeslmart.in*) के माध्यम से बेचे जाएंगे और इसके साथ ही ईईएसएल का ई-कॉमर्स के क्षेत्र में पदार्पण हो जाएगा। इस पोर्टल पर ग्राहक को आधुनिकतम तकनीक सिर्फ एक माउस की क्लिक या स्मार्ट फोन के बटन दबा कर हासिल हो सकेगी। आकर्षक बचत के साथ ही ईईएसएल आरामदेह सर्विस की सुविधा भी उपलब्ध करवा रहा है, जिसमें इस कार्यक्रम की पूरी अवधि तक शिकायत निवारण सहयोग भी शामिल होगा। इसी तरह ग्राहकों को चुनिंदा बैंकों के माध्यम से आकर्षक ईएमआई का विकल्प और जो ग्राहक पुराने एसी बेचना चाहते हैं, उनके लिए बायबैक का विकल्प भी उपलब्ध होगा।

इस अवसर पर, **ईईएसएल के प्रबंध निदेशक श्री सौरभ कुमार** ने कहा: "कूलिंग के लिहाज से भारत को बाजार में इस समय उपलब्ध विकल्पों से ज्यादा सतत और सस्ते विकल्पों की जरूरत है। सुपर एफिशिएंट एयर कंडिशनर इस लिहाज से उपयुक्त हैं और वैश्विक तापमान वृद्धि के बढ़ते संकट से निपटने के लिए उपयुक्त माध्यम हैं। यह सुपर एफिशिएंट एसी जलवायु परिवर्तन संबंधी भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में बहुत प्रभावी साधन और नेशनल कूलिंग एक्शन प्लॉन के लिहाज से एक अहम उत्प्रेरक का काम करेंगे। ऊर्जा दक्षता संबंधी इस प्रयास का लाभ देश के हर घर तक पहुंच सके, इस प्रयास से हम इस कार्यक्रम का विस्तार पूरे देश में करना चाहते हैं।"

ईईएसएल के निदेशक (परियोजना) श्री वेंकटेश द्विवेदी ने कहा: "यह सुपर एफिशिएंट एसी ना सिर्फ भारत के जलवायु संबंधी लक्ष्यों को हासिल करने के लिहाज से अति महत्वपूर्ण होंगे, बल्कि साथ ही बिजली बिल में पर्याप्त बचत कर ग्राहकों के लिए समृद्धि भी लाएंगे। इतना ही नहीं, हमारे कुशल शिकायत निवारण सहयोग, पुराने एसी के बायबैक के विकल्प और आकर्षक भुगतान योजना वाले इस कार्यक्रम के माध्यम से हम बेहतर ग्राहक संतुष्टि भी प्रदान करेंगे।"

अनुमान है कि इन 50,000 एसी के माध्यम से प्रति वर्ष 14.55 करोड़ किलोवॉट घंटे (यानी लगभग 120 करोड़ रुपये प्रति वर्ष) की बिजली की बचत होगी, जिससे प्रति वर्ष लगभग 1,20,000 टन कार्बन डाय ऑक्साइड का उत्सर्जन होता। इस परियोजना के लिए अनुमानित निवेश लगभग 190 करोड़ रुपये होगा, जिसका एक हिस्सा ग्लोबल एनवायर्नमेंट

फैसिलिटी (जेफ़) के अनुदान से प्राप्त होगा। इसके अलावा एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) आवश्यक अनुदान सहयोग व ऋण और यूनाइटेड नेशंस एनवायर्नमेंट प्रोग्राम (यूएनईपी) तकनीकी सहायता उपलब्ध करवा रहा है।

ईईएसएल के मुख्य महा प्रबंधक (तकनीक) श्री एस. पी. गणनायक ने कहा: "ऊर्जा दक्षता को प्रोत्साहन देने के अलावा यह कार्यक्रम दिल्ली में पीक ऑवर के दौरान रहने वाली ऊंची मांग को भी नियंत्रित करने में मदद करेगा। इससे ईईएसएल और साझेदार डिस्कॉम आपसी सहभागिता के साथ ऊर्जा सुरक्षा और संवहनीयता को बढ़ावा देने में सक्षम हो सकेंगे। यह कार्यक्रम भारत में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम तो होगा ही, साथ ही दूसरी नगर पालिकाओं और बिजली कंपनियों के लिए पथ प्रदर्शक का भी काम करेगा जिसे अपना कर यह देश के लिए महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से ईईएसएल ना सिर्फ भारतीय एयर कंडिशनर बाजार में ऊर्जा दक्षता के स्तर को बढ़ाने में सहयोग देगा, बल्कि भारतीय कूलिंग कार्य योजना (आईसीएपी) के अनुरूप कम जीडब्लूपी वाले रेफ्रिजरेंट के उपयोग को भी बढ़ावा देगा।"

वर्ष 2032 तक भारत के भवनों और कूलिंग उपकरणों द्वारा होने वाली ऊर्जा की खपत में चार गुना बढ़ोतरी होने का अनुमान है। यह कार्यक्रम इस आशंका का प्रत्यक्ष रूप से निवारण करता है। साथ ही यह भारत की कूलिंग कार्ययोजना और हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन निर्मूलन प्रबंधन योजना (एचसीएफसी फेज़ आउट मैनेजमेंट प्लॉन) में भी मदद करेगा जिसकी मदद से भारत किगाली और पैरिस समझौतों के लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम बन सकेगा।

50,000 सुपर एफिशिएंट एसी की इस पायलट परियोजना के सफलतापूर्वक पूरे होने के बाद ईईएसएल ने अगले मौसम में इसे राष्ट्रीय कार्यक्रम के तौर पर शुरू करने की योजना तैयार की है। हमारा लक्ष्य अपने अभिनव कारोबार मॉडल के माध्यम से पूरे देश के प्रमुख शहरों और सांस्थानिक ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित कर अगले एक साल में 2,00,000 सुपर एफिशिएंट एसी उपलब्ध करवाने का है। बिजली कंपनियों, संस्थानों, व्यावसायिक/ औद्योगिक प्रतिष्ठानों आदि से जुड़ने के अवसर तलाश कर ईईएसएल मांग में बढ़ोतरी और कार्यक्रम के दायरे को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगा।

***

(प्रकाशण/ प्रसारण के लिए)